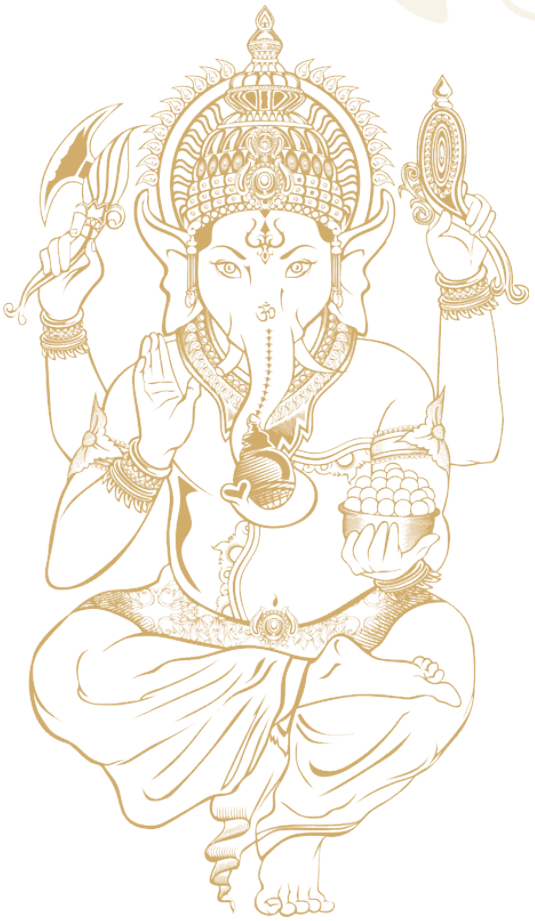

Devi Sigh

21 Dec 1986

02:00 PM

Indore

Model: web-freekundliweb

Order No: 119547607

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/12/1986**
दिन	रविवार
जन्म समय	**14:00:00 घंटे**
इष्ट	17:24:24 घटी
स्थान	**Indore**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:42:00 उत्तर
रेखांश	75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:33:36 घंटे
वेलान्तर	00:02:05 घंटे
साम्पातिक काल	19:32:05 घंटे
सूर्योदय	07:02:14 घंटे
सूर्यास्त	17:46:30 घंटे
दिनमान	10:44:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	05:29:51 धनु
लग्न के अंश	06:18:08 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	विष्कुम्भ
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	06:18:08	449:58:08	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	---
सूर्य			धनु	05:29:51	01:01:05	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	00:44:33	12:08:15	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	23:39:38	00:41:40	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			वृश्चि	23:04:49	01:31:08	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	सम राशि
गुरु			कुंभ	22:17:18	00:07:57	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
शुक्र			तुला	21:44:19	00:43:56	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	स्वराशि
शनि			वृश्चि	20:29:45	00:06:57	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	24:01:19	00:06:47	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	24:01:19	00:06:47	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	29:17:14	00:03:38	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप			धनु	11:36:38	00:02:16	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो			तुला	15:30:06	00:01:45	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	27:37:21	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:25

लग्न-चलित

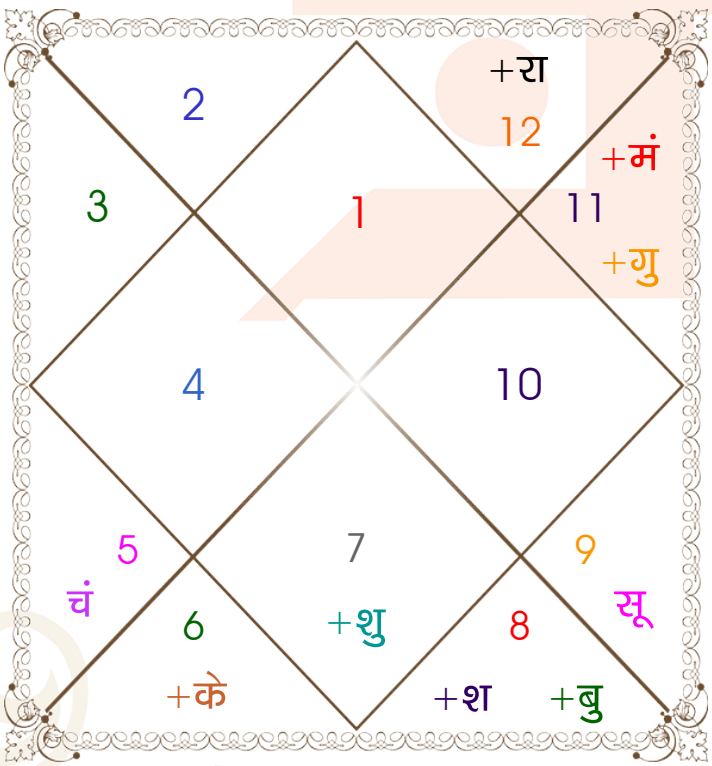

चन्द्र कुंडली

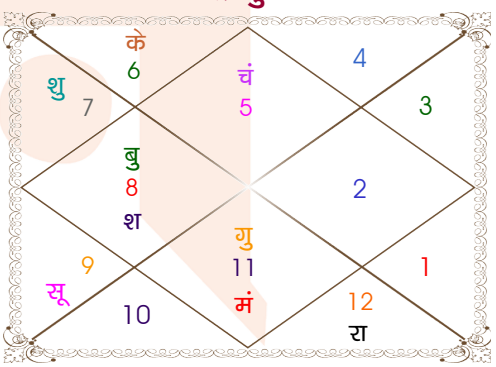

नवमांश कुंडली

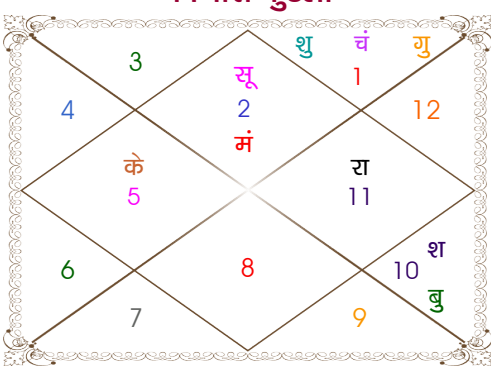

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 7 मास 9 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/12/1986		31/07/1993		31/07/2013		01/08/2019		31/07/2029	
31/07/1993		31/07/2013		01/08/2019		31/07/2029		31/07/2036	
केतु	28/12/1986	शुक्र	30/11/1996	सूर्य	18/11/2013	चंद्र	31/05/2020	मंगल	28/12/2029
शुक्र	27/02/1988	सूर्य	30/11/1997	चंद्र	20/05/2014	मंगल	30/12/2020	राहु	15/01/2031
सूर्य	04/07/1988	चंद्र	01/08/1999	मंगल	25/09/2014	राहु	01/07/2022	गुरु	22/12/2031
चंद्र	02/02/1989	मंगल	30/09/2000	राहु	19/08/2015	गुरु	31/10/2023	शनि	30/01/2033
मंगल	01/07/1989	राहु	01/10/2003	गुरु	06/06/2016	शनि	01/06/2025	बुध	27/01/2034
राहु	20/07/1990	गुरु	01/06/2006	शनि	19/05/2017	बुध	31/10/2026	केतु	25/06/2034
गुरु	25/06/1991	शनि	31/07/2009	बुध	26/03/2018	केतु	01/06/2027	शुक्र	25/08/2035
शनि	03/08/1992	बुध	31/05/2012	केतु	01/08/2018	शुक्र	30/01/2029	सूर्य	31/12/2035
बुध	31/07/1993	केतु	31/07/2013	शुक्र	01/08/2019	सूर्य	31/07/2029	चंद्र	31/07/2036

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
31/07/2036		01/08/2054		01/08/2070		31/07/2089		02/08/2106	
01/08/2054		01/08/2070		31/07/2089		02/08/2106		00/00/0000	
राहु	13/04/2039	गुरु	18/09/2056	शनि	04/08/2073	बुध	28/12/2091	केतु	22/12/2106
गुरु	06/09/2041	शनि	01/04/2059	बुध	13/04/2076	केतु	24/12/2092		00/00/0000
शनि	13/07/2044	बुध	07/07/2061	केतु	22/05/2077	शुक्र	25/10/2095		00/00/0000
बुध	30/01/2047	केतु	13/06/2062	शुक्र	22/07/2080	सूर्य	31/08/2096		00/00/0000
केतु	18/02/2048	शुक्र	11/02/2065	सूर्य	04/07/2081	चंद्र	30/01/2098		00/00/0000
शुक्र	18/02/2051	सूर्य	30/11/2065	चंद्र	02/02/2083	मंगल	27/01/2099		00/00/0000
सूर्य	12/01/2052	चंद्र	01/04/2067	मंगल	13/03/2084	राहु	17/08/2101		00/00/0000
चंद्र	13/07/2053	मंगल	07/03/2068	राहु	18/01/2087	गुरु	23/11/2103		00/00/0000
मंगल	01/08/2054	राहु	01/08/2070	गुरु	31/07/2089	शनि	02/08/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 7 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।